

019559

102

302(HM)

2025

सामान्य हिन्दी

019559

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ]

[ पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

- निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।  
ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड-क)

1. क) 'चंद छंद बरनन की महिमा' के लेखक हैं
 

|              |              |          |                           |
|--------------|--------------|----------|---------------------------|
| i) सदल मिश्र | ii) लल्लूलाल | iii) गंग | iv) रामप्रसाद 'निरंजनी' 1 |
|--------------|--------------|----------|---------------------------|
- ख) वर्तमान युग में हिन्दी गद्य की प्रमुख भाषा है
 

|            |              |               |            |
|------------|--------------|---------------|------------|
| i) भोजपुरी | ii) ब्रजभाषा | iii) खड़ीबोली | iv) अवधी 1 |
|------------|--------------|---------------|------------|
- ग) 'ज्ञानोदय' पत्रिका के सम्पादक हैं
 

|                    |                                  |
|--------------------|----------------------------------|
| i) 'अज्ञेय'        | ii) माखनलाल चतुर्वेदी            |
| iii) धर्मवीर भारती | iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' 1 |
- घ) आधुनिक हिन्दी एकांकी के जनक माने जाते हैं
 

|                        |                    |                   |                      |
|------------------------|--------------------|-------------------|----------------------|
| i) लक्ष्मीनारायण मिश्र | ii) रामकुमार वर्मा | iii) उदयशंकर भट्ट | iv) विष्णु प्रभाकर 1 |
|------------------------|--------------------|-------------------|----------------------|
- ङ) हरिशंकर परसाई एक ख्यातिलब्ध लेखक हैं
 

|                         |                       |
|-------------------------|-----------------------|
| i) 'यात्रावृत्त' के     | ii) समीक्षा के        |
| iii) 'जीवनी-साहित्य' के | iv) व्यंग्य विधा के 1 |
2. क) 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल ।' यह काव्य पंक्ति है
 

|                                    |                              |
|------------------------------------|------------------------------|
| i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की | ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की |
| iii) मैथिलीशरण गुप्त की            | iv) सोहनलाल द्विवेदी की 1    |
- ख) 'तारसप्तक' के कवियों को 'राहों के अन्वेषी' किसे कहा है ?
 

|                       |                                                   |
|-----------------------|---------------------------------------------------|
| i) धर्मवीर भारती ने   | ii) नामवर सिंह ने                                 |
| iii) प्रभाकर माचवे ने | iv) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ने 1 |

- ग) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है  
 i) 'भारतभारती' ii) 'वैदेही वनवास' iii) 'उर्वशी' iv) 'गुंजन' 1
- घ) निम्न में से कौन प्रगतिवादी कवि नहीं हैं ?  
 i) नागार्जुन ii) केदारनाथ अग्रवाल  
 iii) त्रिलोचन iv) गिरिजाकुमार माथुर 1
- ङ) प्रकृति के सुकुमार कवि हैं  
 i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ii) महादेवी वर्मा  
 iii) सुमित्रा नन्दन पन्त iv) जयशंकर प्रसाद 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :  $5 \times 2 = 10$

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

- पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- 'उद्भूत' और 'परंपरागत' शब्दों के अर्थ लिखिए।
- भाषा परिवर्तनशील क्यों है ?
- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किस बात पर बल दिया है ?

अथवा

मातृभूमि पर निवास करनेवाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथ्वी हो और मनुष्य न हो, तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है। पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप संपादित होता है। जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है - (माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्याः।) - भूमि माता है, मैं उसका पुत्र हूँ। जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुंजी है। इसी भावना से राष्ट्र-निर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं।

5.

- प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- राष्ट्र का दूसरा अंग क्या है ?
- राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है ?
- राष्ट्रीयता की कुंजी क्या है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$5 \times 2 = 10$

“क्या कर सकती थी, मरी मंथरा दासी,  
 मेरा ही मन रह सका न निज विश्वासी।  
 जल पंजर-गत अब अरे अधीर, अभागे,  
 वे ज्वलित भाव थे स्वयं तुझी में जागे।”

6.

- उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

1002

- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) 'पंजर-गत' और 'ज्वलित' शब्दों के अर्थ लिखिए ।
- iv) कैकेयी अपने अन्तर्मन को 'अधीर' और 'अभागा' मानकर क्या कहती है ?
- v) 'जल पंजर-गत अब अरे अधीर अभागे' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नामोल्लेख कीजिए ।

अथवा

सामने टिकते नहीं बनराज, पर्वत डोलते हैं,  
काँपता है कुंडली मारे समय का व्याल,  
मेरी बाँह में मारुत, गरुड़, गजराज का बल है ।  
मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं,  
उर्वशी ! अपने समय का सूर्य हूँ मैं ।

- i) प्रस्तुत पद्यांश की कविता का शीर्षक और कवि के नाम का उल्लेख कीजिए ।
  - ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
  - iii) राजा पुरुरवा किससे अपने मन की स्थिति का वर्णन कर रहे हैं ?
  - iv) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस योजना का उल्लेख कीजिए ।
  - v) 'काँपता है कुंडली मारे समय का व्याल' इसका आशय स्पष्ट कीजिए ।
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5
- i) हजारीप्रसाद द्विवेदी
  - ii) वासुदेवशरण अग्रवाल
  - iii) हरिशंकर परसाई ।
- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 3 + 2 = 5
- i) सुमित्रानन्दन पन्त
  - ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
  - iii) मैथिलीशरण गुप्त ।
6. 'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द ) 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए । ( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

302(HM)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।

( अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द )

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक कौन हैं ? उनका चारित्रिक विश्लेषण कीजिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के सर्वाधिक मार्मिक प्रसंग को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कृष्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य में वर्णित किसी प्रेरणास्पद कथा को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'हर्ष एक सच्चा त्यागपथी था ।' उक्ति के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के मार्मिक प्रसंगों का उद्धरण सहित वर्णन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्रचित्रण कीजिए ।

( खण्ड-ख )

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

2 + 5 = 7

शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् । जनस्य महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रयच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

अथवा

याज्ञवल्क्य उवाच- न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति ।

(i)

(ii)

(ii)

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ॥

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥

अथवा

विरल विरलाः स्थूलास्ताराः कलाविवसज्जनाः

मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः ॥

अपसरति च ध्वान्तं चिन्तात्सतामिवदुर्जनः

व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) नाक का बाल होना

(ii) टोपी उछालना

(iii) हाथ कंगन को आरसी क्या

(iv) पढ़े फारसी बेचें तेल ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

साहस और आत्म विश्वास के साथ जीना ही सच्चा जीवन है । साहसी व्यक्ति कभी भी अपना कर्म नहीं छोड़ता । एक बार असफल होने पर भी नयी उमंग, नये विश्वास व नये साहस से पुनःपुनरपि प्रयत्न करता है । ऐसे व्यक्ति के सामने पर्वत भी अपना सिर झुका लेते हैं और दुराशा उनके पास तक नहीं फटकती । ऐसे व्यक्ति ही अपने राष्ट्र व समाज के सच्चे अर्थों में नेता होते हैं । संसार का इतिहास ऐसे व्यक्तियों के कार्यकलापों से भरा पड़ा है । जिस देश में ऐसे कर्मवीर का जन्म हुआ, वह देश अपनी नींद से जाग उठा । जिस समाज में ऐसे व्यक्ति का प्रवेश हुआ, वह समाज उठ खड़ा हुआ । जिस दिशा में जन-नायक के पैर उठ गये, उसी दिशा में प्रकाश की किरण फूट पड़ी । हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ऐसे ही कर्मवीर थे । हमारे लिए उनका यही सन्देश है, “फल की परवाह किये बिना अपना काम करते रहो, न कठिनाई से डरो, न बाधाओं से ।”

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।

(ii) सच्चा जीवन किसे कहते हैं ?

(iii) कर्मवीर की क्या विशेषताएँ होती हैं ?

अथवा

उड़नतस्तरी का अंग्रेजी पर्याय ‘अनआइडेण्टीफाइड फ्लाईंग ऑब्जेक्ट’ (यू०एफ०ओ०) है । ऐसा माना जाता है कि यह अति बुद्धिमान परग्रही जीव अर्थात् एलियन द्वारा निर्मित तस्तरी या डिस्कनुमा अत्याधुनिक तकनीक सम्पन्न ऐसी चीज़ है जिसका उपयोग अन्तरिक्ष यान के रूप में किया जाता है । यह अब तक जाँच का विषय बना हुआ है और वैज्ञानिकों के लिए एक अनसुलझा रहस्य है । “एलियंस का हमसे मिलना हमारे लिए अच्छा न हो सकेगा, जैसे कोलम्बस का अमेरिका की भूमि पर उतरना वहाँ के मूल निवासियों के लिए अच्छा न था ।” यह बात विश्वविख्यात वैज्ञानिक स्टीफन हार्किंग ने कही है । वर्ष 1954 में फ्लोरेन्स स्थित स्टेडियम में खेले जा रहे फुटबाल मैच के दौरान अचानक लोगों का ध्यान खेल से हटकर आकाश में तेजी से घूमती हुयी प्रकाशमान आवाज न करने वाली और गतिशील तश्तरीनुमा वस्तु पड़ा, जो यू०एफ०ओ० था ।

(i) यू०एफ०ओ० का पूरा नाम क्या है ?

(ii) स्टीफन हार्किंग ने एलियंस के बारे में क्या कहा ?

(iii) एलियंस किन्हें कहा गया है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) तरंग-तुरंग -

(अ) हाथी और घोड़ा

(ब) लहर और घोड़ा

(स) घोड़ा और लहर

(द) तेज आवाज और धीमी आवाज

(ii) कंकाल-कंगाल -

(अ) मृत शरीर और पक्षी

(ब) अस्थि पंजर और निर्धन

(स) ढाँचा और गरीब

(द) हड्डी और कंगन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) मंगल

(ii) तात

(iii) हेम

(iv) शिलीमुख

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) किये गये उपकार मानने वाला -

(अ) कृतघ्न

(ब) उपकारी

(स) कृतज्ञ

(द) धन्यवादी

(ii) बहुत अधिक बोलने वाला -

(अ) मितभाषी

(ब) अधिभाषी

(स) वाचाल

(द) बकवादी

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) प्रांजल, शिवाय और प्रवेक आएका ।

(ii) रमेश पुस्तक को पढ़ता है ।

(iii) केवल एक प्रश्न मात्र का उत्तर देना है ।

(iv) भारत में प्राथमिक शिक्षा निशुल्क है ।

12. (क) 'हास्य' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ख) 'भ्रान्तिमान' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

13. दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर सम्बन्धित कॉलेज में 'कम्प्यूटर ऑपरेटर' के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु उस कॉलेज के प्रबन्धक को आवेदन पत्र लिखिए जिसमें अपनी शैक्षिक योग्यता का भी उल्लेख कीजिए।

2 + 4 = 6

1019559

अथवा  
अपने क्षेत्र के फर्जी राशन कार्डों की जाँच हेतु जिला पट्टी अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

2 + 7 = 9

- (i) वन रहेंगे, हम रहेंगे
- (ii) ओलम्पिक खेल-2024 और भारत
- (iii) विद्यालय के पठन-पाठन में इण्टरनेट का योगदान
- (iv) प्राकृतिक आपदाएँ और उनका प्रबन्धन
- (v) कबीर की प्रासंगिकता।

1019559

302(HM) - 2,72,650

1019559